University in News on 01 April 2020

AMAR UJALA

लविवि की आवेदन प्रक्रिया पर कोरोना की मार

10 मार्च को बीत चुकी है अंतिम तारीख, अभी तक आधी भी नहीं पहुंची प्रवेश लेने को इच्छुक छात्र-छात्राओं की संख्या

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में स्नातक और परास्नातक आवेदन प्रक्रिया पर भी कोरोना की मार पड़ गई है। अंतिम तारीख बीतने में सिर्फ 10 दिन का समय बचा है। अभी बीते साल के मुकाबले आवेदनों की संख्या आधी भी नहीं पहुंची है। ऐसे में विवि अभी से तारीख बढ़ाने पर विचार करने लगा है। विवि ने अपनी आवेदन प्रक्रिया 16 मार्च से शुरू की थी। आवेदन की अंतिम तारीख 10 अप्रैल निर्धारित की गई है।

स्नातक स्तर पर बीते साल 28 हजार आवेदन आए थे। लॉकडाउन के चलते छात्रों का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जिसके पास घर में आवेदन की व्यवस्था नहीं है। अभी तक बोर्ड परीक्षा रिजल्ट तो दूर कोई न कोई परीक्षा अटकी है। सिर्फ यूपी बोर्ड ही परीक्षा पूरी करा सका है। विवि प्रशासन आवेदन फॉर्म की अंतिम तारीख बढ़ाने पर विचार कर रहा है। विवि ने परास्नातक आवेदन प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। अभी तक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा नहीं हुई हैं। लविवि प्रशासन ने अब तक आए आवेदनों की संख्या जारी नहीं की है। बताया जाता है कि परास्नातक आवेदन की स्थिति बेहद खराब है। स्नातक का रिजल्ट आने के बाद ही इसमें तेजी आती है।

पिछली प्रक्रिया पूरी होने तक विचार नहीं

लविवि में अभी तक पिछली पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। लॉकडाउन की वजह से विवि प्रशासन ने पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया भी टाल दी है। पीएचडी की सीट शिक्षकों के अधीन उपलब्ध संख्या के आधार पर ही तय होती है। शैक्षिक सत्र 2020-21 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया का अभी तक दूर-दूर तक कोई अता-पता नहीं है।

15 से ज्यादा भाग में बंटी होगी लविवि की नई वेबसाइट

प्रशासन ने किए बड़े बदलाव, अब छात्रों को नहीं करनी पड़ेगी बेवजह मेहनत

लखनऊ। लविवि ने शताब्दी वर्ष में अपनी वेबसाइट का पूरी तरह से कायाकल्प किया है। नई वेबसाइट 15 से ज्यादा भागों में बंटी हुई होगी। उपयोगकर्ता को अपनी जरूरत की सामग्री तलाशने के लिए पूरी वेबसाइट नहीं खंगालनी होगी। उसे सिर्फ यह तय करना होगा कि उसकी सूचना इनमें से किस भाग से संबंधित है। इसके बाद वह उसी भाग में जाकर सूचना प्राप्त कर सकता है।

विवि ने अपनी वेबसाइट अपडेट करनी शुरू कर दी है। संभव है कि इसी सप्ताह विवि अपनी नई वेबसाइट का औपचारिक रूप से उद्घाटन कर दे। लविवि की वेबसाइट पर मुख्य रूप से एकेडमिक्स, स्टूडेंट, कैरियर, परीक्षा, प्रकाशन, यूडीआरसी, ई-कंटेंट, उपलब्धियां, विभाग, कोर्स, प्रवेश आदि जैसे भाग होंगे। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार यह वेबसाइट विद्यार्थियों के साथ ही हर किसी के लिए उपयोगी साबित होगी। नई वेबसाइट में विवि अपनी उपलब्धियों के साथ ही सभी सूचनाएं अपलोड करेगा। विवि जल्द ही अपने यहां डिग्री आदि के लिए ऑनलाइन व्यवस्था की शुरुआत करने जा रहा है। नई वेबसाइट में इसकी व्यवस्था भी होगी। फिलहाल वेबसाइट पर जो सूचनाएं हैं वह संपूर्ण नहीं हैं। इसलिए इन सूचनाओं को पूरा करके अपलोड किया जाएगा।

NBT

वेबसाइट भी अपडेट, पहले से ज्यादा फ्रेंडली

■ **एनबीटी, लखनऊ:** एलयू ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट अपडेट कर दी। अब इसमें स्टूडेंट से जुड़ी सभी सूचनाएं एक ही कॉलम में मिल जाएगी। इसके अलावा अन्य कॉलेजों और स्टूडेंट्स के लिए ई-कंटेंट, परीक्षा की जानकारी, यूआरडीसी आदि के लिए अलग से कॉलम है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि वेबसाइट अब पहले से ज्यादा विस्तृत और स्टूडेंट फ्रेंडली है।

वेबसाइट को 15 भागों में बांटा गया है। इसमें स्टूडेंट के लिए अलग कॉलम है। इसमें एंटी रैगिंग, काउंसिलिंग ऐंड प्लेसमेंट, कमिटी रिपोर्ट, ऑनलाइन फीस, ग्रीवांस कमिटी आदि के लिंक एक ही सेक्शन में हैं। वहीं, आईक्यूएसी सेल, ई-कंटेंट और शताब्दी समारोह का अलग कॉलम है। वेबसाइट में अकैडमिक का भी अलग कॉलम है, जिसमें विवि की सभी लाइब्रेरी का डेटा अपलोड किया गया है। विवि में पहली बार साइबर लाइब्रेरी और कॉपरेटिव लाइब्रेरी को भी जोड़ा गया है।

परीक्षा के लिए बना अलग कॉलम

वेबसाइट पर परीक्षा का भी अलग कॉलम है, जिसमें परीक्षा के नोटिस और फॉर्म आदि सूचनाएं मिल सकेंगी। मीडिया का अलग कॉलम है, जिसमें सारी जानकारी विवि से रिलेटेड होंगी।

PIONEER

एलयू की नई वेबसाइट बनी स्टूडेंट फ्रेंडली, ज्यादा मिलेगी जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट को स्टूडेंट फ्रेंडली के तौर पर लॉच किया गया है। इस वेबसाइट पर स्टूडेंट से संबंधित सभी जानकारियां एक ही कॉलम के जरिए उपलब्ध होंगी। इसके अलावा कॉलेजों के स्टूडेंट्स की जानकारी के लिए अलग कालम बनाया गया है। जिसमें प्रवेश से लेकर परीक्षा तक की जानकारी शामिल होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय के मुताबिक नई वेबसाइट को व्यापक तौर पर एक्सेसिबल बनाया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय के मुताबिक वेबसाइट को 15 भागों में बांटा गया है। जिसमें स्टूडेंट से जुड़ी सभी सूचनाए जैसे स्टूडेंट लॉगइन में एंटी रैगिंगएकॉउंसलिंग एण्ड प्लेसमेंटए कमेटी रिपोर्टए ऑनलाइन फीस मिशनए ग्रेवांस कमेटी आदि। यह सब एक जगह दिया गया है। इसमें आइक्यूएसी सेल का अलग कॉलम है ई कंटेंट का अलग कॉलम बनाया गया है। शताब्दी समारोह का अलग कॉलम बनाया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय से एफीलिएटेड कॉलेजों की लिस्ट डालकर उसका अलग कॉलम बनाया गया है। वेबसाइट में एकेडमिक का अलग कॉलम बनाया गया है। इस तरह मान्यता के लिए है जिसमें किसी भी कॉलेज को मान्यता के लिए अगर अप्लाई करना हैए फार्म डाउनलोड करना आदि। फैसेलिटीज का अलग कॉलम बनाया गया है। लाइब्रेरी का अलग कॉलम बनाया गया है जिसमें विश्वविद्यालय की सभी लाइब्रेरी का डाटा अपलोड किया गया हैए लेकिन विश्वविद्यालय में पहली बार हुआ है कि साइबर लाइब्रेरी और कॉपरेटिव लाइब्रेरी को जोड़ा गया है। कुलपति के मुताबिक एग्जामीनेशन के लिए अलग कॉलम बनाया गया है जिसमें परीक्षा की नोटिस और एग्जाम के फार्म आदि की सूचनाए मिल सकेगी। मीडिया का अलग कॉलम बनाया गया जिसमें सारी जानकारी यूनिवर्सिटी से रिलेटेड है।